एम.पी.ए.-034

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.डी.आर.आर.एम.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों में
नामांकित छात्रों के लिए

कोर्स कोडः एम.पी.ए. 034
आपदा भेद्यता और ज़ोखिम मूल्यांकन

सामाजिक विज्ञान विधापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय विधार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम मार्गदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, पाठ्यक्रम केसत्रीय कार्य का 30 प्रतिशत भारांक होता है, जबकि 70 प्रतिशत भारांक सत्रांत परीक्षा के लिए दिया जाता है।

आपको चार क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए एक शिक्षक अंकित सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। यह पाठ्यक्रम,**"आपदा भेद्यता और ज़ोखिम मूल्यांकन" (एम.पी.ए.034),** चार क्रेडिट कापाठ्यक्रम है। इस सत्रीय कार्य में एक टीएमए है, जिसके कुल अंक 100 हैं और इसका 30 प्रतिशत भारांक होता है।

सत्रीय कार्य का प्रयास करने से पहले कृपया कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दी गई निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह आवश्यक है कि आप टीएमए में पूछे गए सभी प्रश्नों का प्रयास करें और उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर एक निश्चित प्रश्न के लिए निर्धारित शब्द सीमा के भीतर होने चाहिए। ध्यान रखें किसत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन क्षमता में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) जमा करने की प्रक्रियाः

प्रवेश सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 सत्र में नामांकित विधार्थी	31 मार्च 2025	विधार्थी के अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास
जनवरी 2025 सत्र में नामांकित विधार्थी	30 सितंबर 2025	

आपको जमा किए गएसत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और इसे सुरक्षित रखना चाहिए। यदि संभव हो, तोसत्रीय कार्य की एक फोटो कॉपी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र कोसत्रीय कार्य का मूल्यांकन करने के बाद आपको सत्रीय कार्यवापस करना होगा। कृपया इस पर जोर दें। अध्ययन केंद्र को अंकों को इग्नू, नई दिल्ली के छात्र मूल्यांकन प्रभाग में भेजना होता है।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार दें। आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगाः

1) योजनाः सत्रीय कार्य में पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें, और उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2) संगठनः उत्तर की प्राथमिक रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक रहें। विशेषतः भूमिका और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

- तार्किक और संगत हो;
- वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और
- उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर्याप्त हो।

3) प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो अंतिम संस्करण को प्रस्तुत करने के लिए साफ–सुथरे ढंग से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कीजिए। यह सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर हो।

आपको शुभकामनाएं!

कार्यक्रम समन्वयक
लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विधापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

एम.पी.ए–034 आपदा भेद्यता और ज़ोखिम मूल्यांकन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–034
सत्रीय कार्यकोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2024–जनवरी 2025
पूर्णांक : 50

यह सत्रीय कार्य **खंड–I** और **खंड–II** में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पांच प्रश्न हैं। आपको सभी प्रश्नों का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये. प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।

खंड– I

1) 'विपदाओं के कारण जीवन, संपदा और स्वास्थ्य की हानि के साथ एक भीषण दुर्घटना उत्पन्न हो सकती है। यह सामाजिक और आर्थिक विघटन या पर्यावरणीय क्षति का कारण भी बन सकती हैं।' व्याख्या कीजिए। 10

2) ज़ोखिम की अवधारणा को रेखांकित करते हुए आपदा ज़ोखिमों की प्रकृति एंव गहन और व्यापक ज़ोखिमों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

3) समग्र आपदा ज़ोखिम प्रबंधन की अवधारणा की जांच कीजिए। 10

4) ज़ोखिम प्रबंधन तकनीकों और विधियों का उल्लेख कीजिए। 10

5) 'जलवायु संबंधी आपदाएँ आपदा ज़ोखिम न्यूनीकरण में विशेषज्ञों और अभ्यास कर्ताओं के लिए एक केन्द्रबिंदु बन गया हैं।' टिप्पणी लिखिए। 10

खंड– II

6) उपयुक्त उदाहरणों का उल्लेख करते हुए आपदा ज़ोखिम न्यूनीकरण में नागरिक समाज संगठनों की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 10

7) आपदा ज़ोखिम न्यूनीकरण को मुख्य धारा में लाने के लिए संरचनात्मक और गैर–संरचनात्मक उपायों का विश्लेषण कीजिए। 10

8) शहरों को आपदा ज़ोखिमों के प्रतिसंवेदनशील बनानें वाले कारकों पर एक नोट लिखिए। 10

9) आपदा ज़ोखिम न्यूनीकरण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

10) आपदा ज़ोखिम न्यूनीकरण से संसाधन प्रबंधन को अनुकूलित करने से लाभ मिलता है। व्याख्या कीजिए। 10